हम होंगे कामयाब पोलियो हारेगा!

पोलियो क्या है ?

- पोलियो वाइरस से फैलने वाली एक लाइलाज बीमारी है।
- पोलियो का वाइरस आमतौर पर हाथ और पैर को हमेशा के लिए लक़्वाग्रस्त कर देता है।

पोलियो से ख़तरा किसको है ?

- पोलियो वैसे तो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है लेकिन 5 साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो होने की संभावना ज़्यादा रहती है।

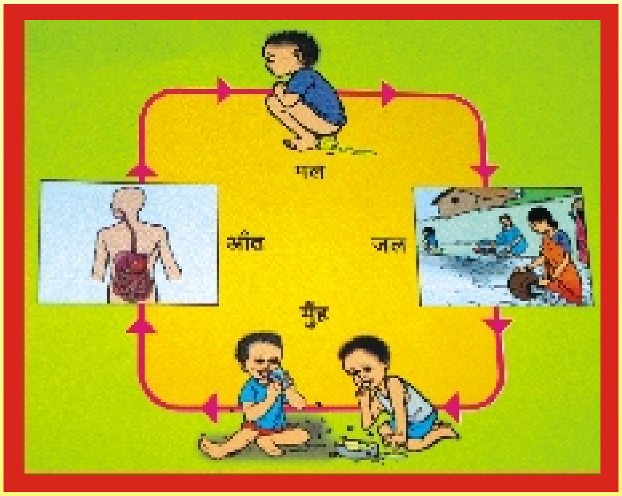

पोलियो कैसे फैलता है ?

- पोलियो का वाइरस मूँह में जाने वाली कोई भी चीज़ जैसे पानी, खाना या गंदे हाथों के माध्यम से शरीर में पहुँचकर आँत में फैलते हुए मल द्वारा बाहर निकलता है और एक बच्चे से दूसरे बच्चे तक फैलता है।

क्या पोलियो की खुराक बच्चों के लिए सुरक्षित है ?

- जी हाँ! पोलियो की खुराक बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।
- नवजात और पाँच साल तक के बच्चों में होने वाली आम बीमारियाँ जैसे नज़ला, खाँसी, बुख़ार आरै दस्त में भी पोलियो की खुराक ज़रूर देनी चाहिए।
- भारत सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन एकेडमी ऑफ़ पेडियैट्रिक्स ने इसकी गुणवत्ता को प्रमाणित किया है।

दो बूंद ज़िन्दगी की دو بوند زندگی کی

Social Mobilisation Network
for Polio Eradication, Bihar
unicef initiative

For : Transit Mobilizer

क्या पोलियो से बचा जा सकता है ?

- जी हाँ ! सिर्फ पोलियो की खुराक पिलाकर ही पोलियो से बचा जा सकता है।

पोलियो से बचने के क्या उपाये ?

- जन्म से पाँच साल तक के सभी बच्चों को पोलियो उन्मूलन अभियान के दौरान हर बार पोलियो की खुराक पिलवाएँ।
- सभी बच्चों का नियमित टीकाकरण करवाएँ।
- खुले में शौच न करें। शौच के लिए शौचालय का प्रयोग करें। शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोना चाहिए।

पोलियो खुराक बार–बार पिलाना क्यों जरूरी है ?

- पोलियो से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए पोलियो की खुराक बार–बार दी जानी चाहिए। जब तक ये वाइरस रहेगा बच्चा पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेगा।
- पोलियो के वाइरस को जड़ से तभी ख़त्म किया जा सकता है जब हम हर एक बच्चे को पोलियो की खुराक हर बार पिलवाएँ, क्योंकि अतिरिक्त पोलियो खुराक से बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता बरक़रार रहती है।

दो बूंद ज़िन्दगी की دو بوند زندگی کی

Social Mobilisation Network
for Polio Eradication, Bihar
unicef initiative

For : Transit Mobilizer